112 -सुरः अल-इखलास

मक्का में नाजिल हुई और इसकी 4 आयतें है !

बिस्मिल्ला-हिर्र-रहमानिर-रहीम

शुरू करता हूँ अल्लाह के नाम से जो रहमान व रहीम है।

بسم الله الرحمن الرحيم

1. ऐ रसूल) तुम कह दो कि ख़ुदा एक है
2. ख़ुदा बरहक़ बेनियाज़ है
3. न उसने किसी को जना न उसको किसी ने जना,
4. और उसका कोई हमसर नहीं